Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding shortfall in enrollment of girls in higher education.

श्री अजय मिश्र टेनी (खीरी): माननीय अध्यक्ष जी, लड़कियों की उच्च शिक्षा की दर में काफी कमी है । सामाजिक जरूरत बढ़ने व शिक्षा के महत्व को देखते हुए लड़कियाँ उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहती हैं । अखिल भारतीय शिक्षा सर्वेक्षण 2019 की रिपोर्ट के अनुसार उच्चतर शिक्षा में लड़कियों का नामांकन मात्र 26.4 प्रतिशत है । इसका प्रमुख कारण यह है कि 4000 विश्वविद्यालय हैं, लेकिन हमारे देश में लड़कियों के लिए मात्र 16 विश्वविद्यालय हैं । इसके कई कारण हैं, जिसमें कम उम्र में विवाह और खास कर ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा आदि भी उसके प्रमुख कारण हैं ।

मैंने इसमें देखा है कि लगभग 25 प्रतिशत उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन होने के कारण हमारे देश का जो सकल प्रदर्शन है, उस पर व्यापक रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है । मैंने इससे पूर्व प्राइवेट मैम्बर बिल में भी इसकी माँग की थी । मैं आपके माध्यम से सरकार से माँग करना चाहता हूं, माननीय शिक्षा मंत्री जी भी यहाँ पर उपस्थित हैं । मैं यह चाहता हूँ कि हमारे देश के प्रत्येक विकास खंड में लड़कियों की उच्च शिक्षा दर में नामांकन बढ़ाने हेतु महाविद्यालयों की स्थापना की जाए तथा बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा में शत-प्रतिशत नामांकन सहित महिलाओं की उच्च शिक्षा हेतु व्यावहारिक व जरूरी प्रावधान किए जाएं । धन्यवाद ।

माननीय शिक्षा मंत्री जी अगर इस पर कुछ उत्तर देना चाहें, माननीय शिक्षा मंत्री जी उपस्थित हैं, अगर उत्तर देना चाहें तो दे दें ।

माननीय अध्यक्ष : डॉ. मनोज राजोरिया को श्री अजय मिश्र टेनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

मैं माननीय सदस्यों से आग्रह कर रहा हूं कि साउंड वालों को देखने में दिक्कत आ रही है, इसलिए अपने बटन को बोलने से पहले ऑन कर दें ।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल ।